# अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2021

**परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम**

**विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन**

दि. 30/01/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) प्रथम प्रश्न अनिवार्य ।
(२) शेष प्रश्नोंमेंसें कोई भी 4 प्रश्न हल करें ।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 पाठ्यक्रम के विस्तृत अध्ययन के रागों में से बिहाग अथवा बागेश्री राग में बडाख्याल या मसीतखानी गत स्थायी अंतरा सहित स्वरलिपीध्द करें । स्थायी तथा अंतरा के दो/दो आलाप लिखें । (10+5 =15)

प्र. 2. पाठ्यक्रम के साधारण अध्ययन के रागों मे से किसी भी राग में छोटा ख्याल या रजाखानी गत पं. पलुस्कर लिपी में स्वरलिपी बध्द करें । (15)

अथवा

पाठ्यक्रम के किसी राग मे धृपद या धमार स्वर लिपि बध्द करें तथा उसकी दुगुन स्वर लिपिबध्द करें । (10+5 =15)

प्र. 3 निम्न लिखित तालों की जानकारी देकर पूरा ठेका लिखें ।
(कोई भी तीन)
i) तिलवाडा, ii) झुमरा, iii) चौताल, iv) झपताल, v) धमार (3X 5 = 15)

प्र. 4. राग जोडीयों का तुलनात्मक विवेचन दिजिए । (कोई भी तीन)
i) भूप–देसकार, ii) केदार + हमीर, iii) देस–वृंदावनी–सारंग
iv) मालकंस–बागेश्री (3X 5 = 15)

प्र. 5 नीचे दिए हुए स्वर समूह से राग पहचानकर, राग का नाम तथा उसकी पूरी जानकारी लिखें । (कोई भी पाँच) (5X3 = 15)

i) ग॒ म प नि॒ सां नि॒ ध प
ii) ग॒ म ध नि॒ ध, म प ध
iii) ग॒ म ध॒ नि॒ सां, ध॒ नि॒ ध॒ म
iv) ग॒ म प नि सां, ध प, म प
v) ग म प ध नि॒ ऽ ध ऽ प
vi) ग म प नि॒ प, नि॒ प म ग
vii) ग म प नि ध॒ प, म॑ प ग म ग

**प्र. 6 (अ) रिक्त स्थानोंकी पूर्ती करे।** **(10)**

i) प्राचीन काल का, मुख्य सप्तक _____ थाट का था।
ii) थाट पध्दती में रे॒ ग॒ म॑ ध॒ यह थाट _____ है।
iii) राग तिलंग _____ जाती का राग है।
iv) पं. पलुस्कर स्वर लेखन में _____ यह एक मात्रा होती है।
v) ताल झुमरा _____ मात्राओं का ताल है।
vi) देसकार _____ थाट का राग है।
vii) धृपद _____ ताल में गाया जाता है।
viii) आसावरी के स्वर _____ यह राग के समान है।
ix) _____ स्वर का राग गायन के राग समय से संबंध होता है।
x) तबला _____ प्रकार का वाद्य है।

**(ब) उचित जोडी चुनें** **(5)**

| (अ) | (ब) |
|---|---|
| 1) तिलंग | तिलक कामोद |
| 2) नाद का गुण | बडा ख्याल |
| 3) दोनो निषाद | धमार |
| 4) विलंबित लय | ठुमरी |
| 5) होरी गीत | छोटा – बडापन |

प्र. 7 किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें। (3X5= 15)

i) श्रुती स्वर विभाजन।

ii) नाद के गुण या विशेषताए।

iii) पं. पलुस्कर और पं. भातखंडे स्वरलिपी पध्दती की जानकारी

iv) थाट तथा राग के नियम।

प्र. 8 किसी एक की जीवनी लिखें। (15)

i) पं. विष्णू नारायण भातखंडे

ii) पं. पन्नालाल घोष